भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2286
20/03/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

जिला कृषि-मौसम विज्ञान इकाइयाँ

2286 डा. फौजिया खान:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने लगभग 199 जिला कृषि-मौसम विज्ञान इकाइयों (डीएएमयू) को बंद कर दिया है, जिनमें मार्च 2024 में बंद की गई इकाइयाँ भी शामिल हैं, और बढ़ती लागत के कारण कृषि-मौसम विज्ञान सेवाओं का निजीकरण कर दिया है;

(ख) डीएएमयू के सिद्ध आर्थिक और कृषि लाभों के बावजूद, स्थानीय मानवीय भागीदारी के स्थान पर स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक संचार अपनाने का औचित्य क्या है;

(ग) खाद्य सुरक्षा, कृषि उत्पादकता और किसानों की आजीविका पर डीएएमयू के बंद होने के संभावित प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए क्या उपाय प्रस्तावित हैं; और

(घ) क्या किसानों को समर्थन देने और कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए स्थानीय कृषि-मौसम विज्ञान सेवाओं को बनाए रखने की संभावना है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(घ) वित्त मंत्रालय के निर्देशानुसार, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (GKMS) के अंतर्गत जिला कृषि मौसम इकाई (DAMUs) की सेवाएं 1 मार्च 2024 से बंद कर दी गई हैं।

तथापि, कृषि-मौसम परामर्शिका सेवाओं (AAS) का निजीकरण नहीं किया गया है। इसके बजाय, ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (GKMS) के अंतर्गत कृषि-मौसम परामर्शिका सेवाओं (AAS) को राज्य कृषि विश्वविद्यालयों (SAUs), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) के संस्थानों और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) आदि में स्थित 130 कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयों (AMFUs) के माध्यम से जारी रखा गया है। प्रत्येक AMFU में दो कार्मिक (एक तकनीकी अधिकारी और एक कृषि मौसम पर्यवेक्षक) नियुक्त किए गए हैं, जिन पर ग्रामीण कृषि मौसम सेवा (GKMS) गतिविधियों को पूरा करने का दायित्व है, जैसे कि कृषि-मौसम परामर्शिका सेवा (AAS) बुलेटिन (अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा में) तैयार करना और जारी करना, पारंपरिक कृषि-मौसम वेधशाला से मौसम प्रेक्षणों की रिकॉर्डिंग करना, खराब मौसम की चेतावनियों के दौरान कृषि के लिए प्रभाव आधारित पूर्वानुमान (IBFs) तैयार करना और उनका प्रसारण, कृषक समुदाय तक सेवाओं का प्रसारण करने के लिए उपलब्ध प्लेटफार्मों का उपयोग करना, ताकि सभी किसान परिवारों को कवर किया जा सके।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, सूचना प्रौद्योगिकी में उन्नति होने के साथ ही किसान अब पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए 'मेघदूत' नामक मोबाइल ऐप के माध्यम से अपने जिले विशेष की कृषि मौसम परामर्शिकाएं और चेतावनियों समेत मौसम सूचना प्राप्त करते हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के 'मौसम' ऐप के माध्यम से भी ये मौसमी विवरण किसानों के लिए उपलब्ध होते हैं। कृषि कार्यों के बारे में उचित निर्णय लेने के लिए किसानों को वास्तविक समय पर मौसम संबंधी नवीनतम जानकारी उपलब्ध कराने के लिए

कृषि मौसम क्षेत्र इकाइयां (AMFUs) मौसम पूर्वानुमान, गंभीर मौसम की चेतावनियाँ और कृषि-मौसम संबंधी परामर्शिकाएं प्रसारित करने के लिए 'व्हाट्सएप', 'फेसबुक', 'यूट्यूब' आदि जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का भी उपयोग करती हैं। इसके अतिरिक्त, भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने अपनी सेवाओं को 16 राज्य सरकारों के सूचना प्रौद्योगिकी (IT) प्लेटफार्मों के साथ एकीकृत किया है, जिससे किसानों को अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी प्राप्त करने की सुविधा मिलती है।

मंत्रालय ने हाल ही में ग्राम पंचायत स्तरीय मौसम पूर्वानुमान (GPLWF) पहल शुरू की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने पंचायती राज मंत्रालय (MoPR) के सहयोग से दिनांक 24 अक्टूबर 2024 को भारत की लगभग सभी ग्राम पंचायतों के लिए ग्राम पंचायत स्तरीय मौसम पूर्वानुमान (GPLWF) प्रारंभ किया। ये पूर्वानुमान ई-ग्रामस्वराज (https://egramswaraj.gov.in/), मेरी पंचायत ऐप, MoPR के ई-मानचित्र, तथा भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के मौसमग्राम (https://mausamgram.imd.gov.in/) जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध हैं।

****